जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 65 प्रभात अजमेर, गुरुवार 3 अक्टूबर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों महापुरूषों ने देश को एक नई दिशा देने का काम किया। गांधीजी के सत्य-अहिंसा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए देश उनके पदचिन्हों पर चल रहा है। उनके सिद्धांतों तथा विचारों को पूरा विश्व मानता हैं। देश की आज़ादी से लेकर आज तक भी उनके सिद्धांत प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर उपमुख्य मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अनेक मंत्री उपस्थित थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जेएलएन मार्ग स्थित गांधी सर्किल पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित की।

'अमेरिका हमेशा इज़रायल के साथ खड़ा मिलेगा, अगर-ईरान ने इज़रायल पर आक्रमण किया'

पर, अगर इज़रायल ने जवाबी हमला किया ईरान पर तो क्या अमेरिका इस हमले में भी इज़रायल के साथ खड़ा होगा?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। मिडिल ईस्ट में पूर्ण युद्ध शुरु हो गया, भले ही इसे औपचारिक तौर पर युद्ध घोषित नहीं किया गया है। ईरान ने इज़राइल पर अटैक किया और संघर्ष दो देशों इज़राइल और ईरान के बीच है। ईरान के मिसाइल हमले का जवाब कभी भी आ सकता है।

अमेरिका के नैशनल सिक्योरिटी एडवाइज़र जैक सुलिवन ने पत्रकारों को बताया कि मिसाइलों को रास्ते में ही नष्ट करने के अभियान में अमेरिका पूर्ण सक्रिय था और लगभग 180 मिसाइलों को रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया।

अमेरिकन राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इज़राइल की सुरक्षा के प्रति अमेरिका का समर्थन एकदम मजबूत है और अगर ईरान से सीधा हमला होता है तो अमेरिका इज़राइल के साथ खड़ा है।

- **यह सवाल बार-बार उठ रहा है, वर्तमान इज़रायल-ईरान युद्ध के बारे में, क्योंकि ईरान द्वारा इज़रायल पर 400 मिसाइल दागने के बाद, अब इज़रायल के जवाबी हमले का इंतजार है, जो अब जल्द ही आयेगा, ऐसी आशंका है।**
- **ईरान की 400 मिसाइल इज़रायल की और बढ़ रही थीं, अमेरिका भी पूरी तरह सक्रिय था, इज़रायल के साथ इन मिसाइल्स को मार गिराने में और 180 मिसाइल नष्ट कर दी गई थी, इज़रायल पहुंचने से पहले।**
- **अगर, अमेरिका पूरी तरह इज़रायल के पक्ष में कूद पड़ता है, युद्ध का आयाम ही बदल जायेगा।**

अब देखना यह है कि ईरान पर इज़राइल का जवाबी हमला किस हद तक होगा और उसमें अमेरिका की भागीदारी कितनी होगी।

स्पष्ट रुप से ईरान ने जो मिसाइलें इज़राइल पर छोड़ी, उनमें से कुछ जमीन पर गिरीं और इज़राइल को नुकसान भी पहुंचा। ईरान ने इज़राइल के सघन आबादी वाले क्षेत्रों को अपना निशाना बनाया, जबकि पूर्व में उसने इज़राइल के सैन्य अड्डों पर निशाना साधा था।

इज़राइल पर हमले के बाद ईरान के लोगों को जश्न मनाते देखा गया। ईरान के लोगों ने अपनी सरकार से इज़राइल हमला और तेज करने के लिए आग्रह किया। ईरान ने अप्रैल में भी मिसाइल हमला किया था, जब इज़राइल ने लैबनान में कुछ सैन्य अधिकारियों की हत्या कर दी थी। तब अमेरिका और इज़राइल के कॉमबैट सिस्टम ने इन हमलों को बेअसर कर दिया था।

अब चर्चा है कि क्या इज़राइल और इसके पश्चिमी समर्थक ईरान पर और इसके परमाणु संयंत्रों पर हमले तेज करेंगे। इससे युद्ध और भीषण हो जाएगा। मिसाइल हमले के समानान्तर इज़राइल दक्षिणी लैबनान में आगे बढ़ रहा है, और पता चला है कि इसने हिजबुल्लाह के कई संसाधनों पर कब्जा कर लिया है। इज़राइली सेना को ऐसी कई सुरंगे मिली हैं, जहां हिजबुल्लाह के अड्डे हैं। इज़राइली सेनाएं उन गांवों पर कब्जा कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू 3 और 4 अक्टूबर को राजस्थान दौरे पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 व 4 अक्टूबर को राजस्थान की यात्रा पर रहेंगी। तीन अक्टूबर को राष्ट्रपति, उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय

- **3 अक्टूबर को राष्ट्रपति मुर्मू उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में तथा 4 अक्टूबर को माउण्ट आबू में ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शामिल होंगी।**

के 32 वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति चार अक्टूबर को, माउन्ट आबू में प्रजापिता ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा "स्प्रिचुएलिटी फॉर क्लीन एण्ड हैल्दी सोसायटी" विषय पर आयोजित ग्लोबल समिट में भाग लेंगी। उसी दिन वे, बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित आदि गौरव सम्मान समारोह में शामिल होंगी।

कोटा संभागीय आयुक्त के जयपुर सहित कई ठिकानों पर ए.सी.बी. ने छापे मारे

ए.सी.बी. ने कोटा संभागीय आयुक्त आई.ए.एस. ऑफिसर राजेंद्र विजय के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर इस कार्रवाई को अंजाम दिया

जयपुर/कोटा, 2 अक्टूबर (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कोटा संभागीय आयुक्त, आईएएस ऑफिसर राजेंद्र विजय के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर बुधवार को जयपुर, कोटा और दौसा में उनके चार ठिकानों पर छापा मारकर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 13 रैज़िडैंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टी के डॉक्युमेंट और 2 लाख 22 हजार रु. से अधिक की नकदी मिली। इसके अलावा 335 ग्राम सोने व 11 किलो 800 ग्राम चांदी के जेवर और तीन फोर व्हीलर मिले हैं। वहीं 16 बैंक खाते मिले हैं, जिनमें लाखों रुपए जमा हैं। उनके कोटा में 2 ठिकानों और जयपुर के एक ठिकाने पर 8 घंटे तक सर्च की कार्रवाई चली। वहीं, दौसा में उनके पैतृक घर को फिलहाल सील किया गया है।

छापेमारी के बाद राज्य सरकार ने राजेंद्र विजय को एपीओ कर कोटा संभागीय आयुक्त के पद से हटा दिया है। उनका चार्ज कलेक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी को सौंपा है।

- **राजेंद्र विजय ने सात दिन पहले ही कोटा के डिविज़नल कमिश्नर का पदभार ग्रहण किया था**
- **तलाशी के दौरान 13 रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टी के डॉक्युमेंट और 2 लाख 22 हजार से अधिक की नकदी मिली। इसके अलावा 335 ग्राम सोने व 11 किलो 800 ग्राम चांदी के जेवर और तीन फोर व्हीलर तथा 16 बैंक खाते मिले हैं, जिनमें लाखों रुपए जमा हैं।**
- **राज्य सरकार ने राजेंद्र विजय को एपीओ कर कोटा संभागीय आयुक्त का चार्ज कलेक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी को सौंपा है।**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक श्री डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय सूत्र सूचना प्राप्त हुई थी कि कोटा संभागीय आयुक्त आई.ए.एस. राजेन्द्र विजय भ्रष्टाचार कर अपने एवं अपने परिजनों के नाम से आय से अधिक चल-अचल सम्पत्तियाँ अर्जित की है, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत करोड़ों रुपयों से अधिक है।

इस सूचना का ए.सी.बी. की इन्टैलिजैंस शाखा द्वारा गोपनीय रूप से सत्यापन किया गया एवं तथ्यों की पुष्टि होने पर आय से अधिक सम्पत्तियाँ अर्जित का मामला दर्ज किया गया। एसीबी जयपुर के पुलिस उप महानिरीक्षक कालूराम रावत के सुपरवीजन में ए.सी.बी. की स्पेशल यूनिट जयपुर के अतिरिक्त पुलिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा सरकार किसानों को बेवकूफ बना रही है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार ने 24 फसलों पर एम.एस.पी (मिनिमम सपोर्ट प्राइज) घोषित करके किसानों को बेवकूफ बनाया है क्योंकि 24 में से 10 फसलें तो हरियाणा में उगती ही नहीं हैं।

हरियाणा के जुलाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने

- **कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिन 24 फसलों पर एम.एस.पी. घोषित की है, उनमें से दस तो हरियाणा में उगाई तक नहीं जाती हैं।**

बताया कि किसान आंदोलन के समय कैसे दिल्ली की सीमाओं पर 750 किसानों ने बलिदान दिया था। उन्होंने हरियाणा के किसानों, जवानों तथा पहलवानों के साथ किए गए अन्यायों को भी गिनाया। उन्होंने कहा, सरकार ने अग्निवीर योजना शुरू की, ताकि जवान शहीद हो जाए तो उसके माता पिता को पैंशन तक न मिले, और चार साल बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जब मैं ओलंपिक्स में डिस्क्वालिफाई हुई, मोदी जी का फोन आया था'

"पर, मैंने प्र.मंत्री जी से बात नहीं की, क्योंकि मैं अपनी भावनाओं को "सोशल मीडिया" पर हंसी मज़ाक का पात्र नहीं बनाना चाहती थी," विनेश फोगाट ने चुनावी आमसभा में जनता को संबोधित करते हुए कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। चुनावाधीन हरियाणा में कांग्रेस उम्मीदवार तथा ओलम्पियन पहलवान विनेश फोगाट का प्रचार करते हुये, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को जुलाना में महिलाओं से भावनात्मक रिश्ता जोड़ा। उन्होंने एक किसान परिवार से जुड़ी स्नेहपूर्ण बातें साझा की, राज्य की बालिकाओं के पक्के इरादों की सराहना की तथा फोगाट की हिम्मत की मुक्तकंठ से प्रशंसा कीं।

- **प्रियंका गांधी ने भी इस आम सभा में हरियाणा से जुड़े अपने उन अनुभवों को सुनाकर अभिभूत किया, जब उनकी पुत्री हरियाणा बॉस्केटबॉल का कोचिंग कैम्प "अटैन्ड" कर रही थी और उन्हें हरियाणा के लोगों का, विशेषकर महिलाओं का अपनापन व हिम्मत रूबरू देखने का व महसूस करने का मौका मिला था और जो संबंध उस समय बने आज भी बरकरार हैं, बल्कि समय के साथ और मजबूत हुए हैं।**

विवादित कृषि कानूनों, अग्निवीर योजना तथा बेरोजगारी को लेकर, भाजपा पर प्रहार किया। प्रियंका ने आठ साल पुरानी एक घटना का जिक्र किया, जब उनकी बेटी हरियाणा के एक बास्केटबॉल कोचिंग कैम्प में पंजीकृत हुई थी। उन्होंने कहा कि एक दिन वे अपनी बेटी को छोड़ने वहां आई थीं। तब उन्होंने कुछ समय आसपास के खेतों में गुजारा। उन्होंने सुनाया, "एक वृद्ध व्यक्ति, जिन्हें मैंने "दादू" कहा था, अपनी फसल काट रहे थे। अपने बारे में कुछ भी बताये बिना मैं उनके पास गई, मैंने उनसे कहा कि मुझे फसल काटना सिखाएं, उन्होंने मुझे सिखाया तथा वे मुझे अपने घर ले गये। उनके पूरे परिवार ने अपनी बेटी की तरह मेरा स्वागत-सत्कार किया।"

जब मुझे उनके घर पर चार-पाँच घंटे हो चुके थे, तो उनका बेटा मनोज वहाँ आया। इसे संयोग ही कहा जायेगा कि मनोज ने रायबरेली में कांग्रेस के लिये काम किया था, इसलिये वह मुझे तुरंत पहचान गया। इस बात को करीब आठ साल हो गये हैं तथा मनोज, उसके दादू और (नई दिल्ली में) मेरे घर अब भी आते-जाते हैं। यह हरियाणा की संस्कृति है। देख लीजिये, हरियाणा के लोग कितने स्नेहिल प्रकृति के हैं।"

गांधी ने एक और घटना का जिक्र किया और सुनाई, जब उनकी बेटी को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट में चिकित्सक पर कार्यवाही पर रोक लगाई

जयपुर, 2 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी एन.ओ.सी. के जरिए ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने से जुड़े मामले में फोर्टिस अस्पताल के डॉक्टर ज्योति बंसल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को पुलिस अनुसंधान में

- **फोर्टिस अस्पताल की डॉ. ज्योति बंसल की विशेष अनुमति याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने दंडात्मक कार्यवाही पर रोक लगाई।**

शामिल होकर सहयोग करने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश डॉ. ज्योति बंसल की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

एस.एल.पी. में अधिवक्ता सुमेर सिंह ओला ने कहा कि एस.ओ.जी. को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने आवंटी महिला को मकान देने की बजाय 36 साल तक प्रताड़ित किया

वर्ष 1989 में विभाग द्वारा आवंटित आवास का कब्जा पीड़िता को अब राष्ट्रीय उपभोक्ता न्यायालय ने दिलाया है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 2 अक्टूबर । राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड में आमजन को आवास मिलना कितना मुश्किल है, भारी भ्रष्टाचार और कितने ही अफसरों की तानाशाही झेलनी पड़ती है, इसका "उत्कृष्ट उदाहरण" अब सामने आया है। सरला जैन ने वर्ष 1988 में एचआईजी श्रेणी (उच्च आय वर्ग) में 60 हजार रु. की पूरी रकम एकमुश्त जमा करके जवाहर नगर स्कीम जयपुर में राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड से मकान खरीदा था। विभाग के तत्कालीन अफसरों ने सरला जैन को आवास नंबर "4 ट 24" आवंटन के लिए रिज़र्व किया था और उसे आवंटन पत्र जारी किया था, लेकिन भ्रष्टाचार और अफसरों की लालफीताशाही के चलते उन्हें 36 साल बाद भी मकान नहीं मिल सका। इस बीच अफसरों ने यह भूखंड़ उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर आवास नंबर "4 स 24" देने का वादा किया था, लेकिन बाद में यह प्लॉट भी किसी अन्य को आवंटित कर दिया गया। अब 30 सितंबर 2024 को राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के आयुक्त और सचिव को लताड़ लगाई है। साथ ही जिला उपभोक्ता मंच और राज्य उपभोक्ता आयोग के द्वारा पीड़ित के पक्ष में दिए गए दोनों फैसलों को जायज़ ठहराया और हाऊसिंग बोर्ड की अपील खारिज कर दी है। अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि सरला जैन को जवाहर नगर स्कीम में प्लॉट नंबर "4 स 24" दिया जाये और उस आवास में किसी का कब्जा है तो उसे खाली करवाया जाये। साथ ही पीड़ित सरला जैन को 40 हजार रुपए मानसिक हानि

- **जयपुर की जवाहर नगर स्कीम में पीड़िता सरला जैन ने हाऊसिंग बोर्ड से वर्ष 1988 में आवास "4 ट 24" खरीदा था, लेकिन विभाग ने उन्हें यह आवास देने के बजाय पहले तो दूसरा आवास "4 स 24" देने का झांसा दिया, लेकिन बाद में दोनों में से एक का भी कब्जा नहीं दिया।**
- **हैरानी की बात यह है कि हाऊसिंग बोर्ड ने आवास "4 ट 24" उपलब्ध नहीं होने की बात कही थी, लेकिन यह मकान विभाग के पास वर्ष 2000 तक उपलब्ध था, जिसे 14 जून 2000 को राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल मजीद की पत्नी सीमा मतीम को आवंटित कर दिया।**
- **इससे भी ज्यादा हैरतअंगेज़ बात यह है कि, हाऊसिंग बोर्ड ने सरला जैन को दूसरा आवास "4 स 24" देने का जो वादा किया था, वह भी नहीं निभाया। पहले तो उन्हें पत्र लिखकर बताया गया कि, राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने यह आवास "हाऊसिंग कमिश्नर" के नाम पर रिज़र्व कर रखा है।**

पहुंचाने का मुआवजा देने के साथ ही 5 हजार रु. कानूनी खर्च राशि दी जाये। उल्लेखनीय है कि निचली अदालत ने 30 मार्च 2016 को पीड़ित के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि अगर 2 माह में पीड़ित को आवास का कब्जा और मुआवजा राशि नहीं दी गई तो राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड को उसे 9 प्रतिशत सालाना ब्याज दर के साथ यह रकम चुकानी पड़ेगी।

इस मामले में याचिकाकर्ता सरला जैन की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ रांका ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने सरला जैन को 17 नवंबर 1988 को जवाहर नगर स्कीम में आवास "4 ट 24" आवंटित किया था। इसके बदले पीड़ित ने 60 हजार रु. की रकम एकमुश्त चुकाई थी। इसके बाद 20 मार्च 1989 को यह हाऊसिंग बोर्ड ने पत्र जारी करके सरला जैन को कहा कि, विभाग के पास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नड्डा 5 अक्टूबर को जयपुर रहेंगे

जयपुर, 2 अक्टूबर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को जयपुर प्रवास पर रहेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार शाम 7 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर आएंगे। इस दौरान सांगानेर एयरपोर्ट पर नड्डा का भव्य

- **वे चार्टर्ड अकाउन्टैंट्स से मुकालात करेंगे व उन्हें भाजपा का सदस्य बनायेंगे। प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के जनप्रतिनिधियों से भी सदस्यता अभियान पर संवाद करेंगे।**

स्वागत किया जाएगा। राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शाम 7.30 बजे से स्टेच्यू सर्किल स्थित एक होटल में जयपुर के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से संवाद करेंगे और सदस्य बनाएंगे। भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)